PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 149
दि. 28.09.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

थाईलैंड का गणेश भक्त: पिता के एक उपहार से खड़ा कर दिया 10000 मूर्तियों का संसार, पीएम मोदी ने सुनाया किस्सा

(जीएनएस)।

पीएम मोदी में भारतीय संस्कृति के वैश्विक विस्तार का जिक्र करते हुए थाईलैंड के अनन्य गणेश भक्त पंथौन थीरखानोन की प्रेरक कहानी साझा की. पीएम मोदी ने बताया कि विघ्नहर्ता भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा की कोई भौगोलिक सीमा नहीं है. थाईलैंड में 'फ्रा फिकानेत' के रूप में पूजे जाने वाले गणपति के प्रति पंथौन की आस्था तब जगी, जब 19 साल की उम्र में उनके पिता ने उन्हें बाप्पा की एक तस्वीर भेंट की थी. पीएम मोदी रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में थाईलैंड के 'गणेश भक्त' पंथौन थीरखानोन की प्रशंसा की. पीएम मोदी ने पंथौन थीरखानोन की गणेश भक्ति का जिक्र करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से थाइलैंड के श्रद्धालुओं के बीच भी अष्टविनायक यात्रा लोकप्रिय हो चुकी है. प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने संबोधन में कहा, 'हम सबने इस महीने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ गणेश उत्सव मनाया है. देशभर में पूरे भक्तिभाव से गणपति बाप्पा का स्वागत किया गया. यह पावन अवसर पूरे वातावरण को उमंग और उल्लास से भर देता है.'

थाईलैंड का गणेश भक्त पिता के गिफ्ट से खड़ा किया 10000 मूर्तियों का संसार

'मन की बात' में पीएम मोदी ने की थाईलैंड के 'गणेश भक्त' पंथौन थीरखानोन की तारीफ.

पीएम मोदी ने कहा कि विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश ज्ञान, बुद्धि और शुभ कार्यों के आरंभ के प्रतीक हैं. उनके प्रति अगाध श्रद्धा सिर्फ भारत में ही नहीं है. थाइलैंड के पंथौन थीरखानोन का नाम लेते हुए उन्होंने कहा, 'पंथौन थीरखानोन वैसे तो थाइलैंड के हैं. थाइलैंड में भगवान श्री गणेश की पूजा 'फ्रा फिकानेत' के रूप में की जाती है. जब वे 19 वर्ष (पंथौन थीरखानोन) के थे, तब उनके पिता ने उन्हें भगवान श्री गणेश की एक फोटो भेंट की थी. यहीं से अद्भुत भक्ति जागृत हुई.'

उन्होंने बताया, 'वे (पंथौन थीरखानोन) भगवान श्री गणेश से जुड़ी परंपराओं के अध्ययन में चार दशक से भी अधिक समय बिता चुके हैं. उन्होंने भारत और नेपाल सहित एशिया के कई देशों की यात्रा की है. महाराष्ट्र से उनका विशेष लगाव रहा है. अष्टविनायक परंपरा के बारे में जानने के बाद वे कई बार यहां आ

चुके हैं. उनके प्रयासों से थाइलैंड के श्रद्धालुओं के बीच भी अष्टविनायक यात्रा लोकप्रिय हो चुकी है. वर्ष 2002 में उन्होंने उत्तरी 'थाइलैंड के चियांग माई में गणेश हिमाल म्यूजियम की स्थापना की. आज इसमें 10 हजार से अधिक गणेश प्रतिमाएं हैं.'

'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने बताया कि म्यूजियम में उन भक्तों के लिए अष्टविनायक की प्रतिमाएं भी मौजूद हैं, जो भारत नहीं आ सकते. यहां हर रविवार सुबह करीब 10 बजे गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है. गणपति से जुड़े विशेष अवसरों पर भी अनुष्ठान होते हैं. यह बताता है कि भारत की आस्था, कला और सांस्कृतिक परम्पराएं दूसरे देशों में भी कैसे लोकप्रिय हो रही हैं. साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों के लिए कामना की कि गणपति बप्पा का आशीर्वाद सभी पर होगा।

एसआईआर विवाद पर योगी का विपक्ष पर हमला, कहा- संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास

बोले-मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण नई प्रक्रिया नहीं, पहले भी कई बार हो चुका है

(जीएनएस)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल राजनीतिक हितों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली का बचाव करते हुए कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कोई नई प्रक्रिया नहीं है। निर्वाचन आयोग के अनुसार एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूचियों को सही और अद्यतन रखना तथा अपात्र या दोहरे नामों को हटाना है, साथ ही पात्र मतदाताओं को सूची से बाहर न होने देना है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का मौजूदा रुख बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। उनके मुताबिक विपक्ष लोकतंत्र को

नुकसान पहुंचाने वाली हर साजिश का हिस्सा रहा है और अब भी ऐसी गतिविधियों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को लगातार कठघरे में खड़ा करना देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और वैश्विक प्रतिष्ठा के लिए नुकसानदायक है।

मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि जब निर्वाचन आयोग के तीनों आयुक्त मीडिया के सामने आकर एसआईआर को लेकर स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं, तब भी आयोग पर लगातार सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी संवैधानिक संस्था के कामकाज पर सवाल उठाने से पहले तथ्यों को समझना जरूरी है।

उन्होंने एसआईआर को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम पर भी सवाल उठाया। योगी के अनुसार, देश में इससे पहले भी अलग-अलग समय पर मतदाता सूचियों का विशेष पुनरीक्षण किया जा चुका है।

उन्होंने 1952, 1957, 1961, 1965-66 और 2003 में हुए पुनरीक्षण का उल्लेख किया।

निर्वाचन आयोग ने भी इस वर्ष एसआईआर को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया है। आयोग के अनुसार तीसरे चरण में 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया था। इस चरण में बड़ी संख्या में बूथ स्तर के अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं से संबंधित जानकारी जुटाने की प्रक्रिया में लगाए गए।

योगी ने एसआईआर को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल समेत अन्य विपक्षी दलों की ओर से उठाए जा रहे सवालों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष लगातार देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी सवाल उठाता रहा है।

विदेश मंत्री बोले-पाकिस्तान आतंकवाद का लगातार अभ्यास करने वाला देश, यह दुनिया के लिए चुनौती

नई दिल्ली, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान पर तीखा निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद को सामान्य बनाने और उसके परिणामों से बचने की कोशिश स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता की नीति जारी रहेगी और आतंकवाद को समर्थन देने वाली किसी भी सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। हालांकि, अपने संबोधन में जयशंकर ने पाकिस्तान या उसके प्रधानमंत्री का सीधे नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के महासभा में दिए गए संबोधन के संदर्भ में थी।

जयशंकर ने कहा, कल आतंकवाद के एक कुख्यात अपराधी ने इस सभा के समक्ष तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। आतंकवाद को सामान्य ठहराने और इसके परिणामों से मुक्ति का दावा करने के लिए तर्क दिए गए। यह अस्वीकार्य है। आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के हमारे अधिकार का प्रयोग किया

जाएगा।

उन्होंने कहा कि मित्रता और सद्भावना आतंकवाद के साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद के आधार पर किए गए समझौतों पर स्वाभाविक रूप से सवाल उठेंगे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आतंकवाद के अपराधी को अपने तौर-तरीकों में सुधार करना होगा।

विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया तेजी से हर चीज के हथियारीकरण की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वित्त, बाजार तक पहुंच, आपूर्ति शृंखला और प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल दबाव बनाने के साधन के रूप में किया जा रहा है।

इसका सबसे अधिक असर विकासशील देशों पर पड़ रहा है, जो खाद्य, ईंधन, उर्वरक और वित्त से जुड़े संकटों का सामना कर रहे हैं।

जयशंकर ने कहा कि अल नीनो जैसी मौसमी परिस्थितियों से इन चुनौतियों के और गंभीर होने की आशंका है। लगातार बढ़ते खतरों और दबावों के बीच दुनिया एक गहरी खाई के किनारे खड़ी है। उन्होंने कहा कि संघर्ष और टकराव आज दुनिया की प्रमुख चिंता बने हुए हैं तथा शांति बनाए रखने में असफलता से सुरक्षा के साथ-साथ विकास भी प्रभावित हो रहा है।

दिल्ली एनसीआर में बारिश के बाद मौसम में घुली ठंडक, घरों में कूलर एसी हुए बंद, तापमान सामान्य से नीचे; वायु गुणवत्ता भी संतोषजनक

नई दिल्ली, दिल्ली-एनसीआर में शनिवार शाम हुई बारिश के बाद मौसम का मिजाज बदल गया। दिनभर उमस और गर्मी से परेशान लोगों को शाम को हुई वर्षा से राहत मिली। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आने से रात के समय मौसम में हल्की ठंडक महसूस की गई। मौसम विभाग ने दिल्ली में अगले तीन दिनों तक बारिश और बादल छाए रहने का पूर्वानुमान जताया है।

दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.1 डिग्री कम रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 0.7 डिग्री कम था। पालम में

रबी अभियान 2026 पर राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन आज से नई दिल्ली में

केंद्र-राज्य तालमेल मजबूत करने और कृषि विकास के लिए परिणाम-उन्मुख रणनीति पर होगा मंथन

(जीएनएस)।

नई दिल्ली(जीएनएस)। आगामी रबी मौसम की तैयारियों और प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन का आयोजन 28 और 29 सितंबर को नई दिल्ली में किया जाएगा। सम्मेलन का आयोजन भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम सभागार, एनएएससी परिसर, पूसा में होगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।

सम्मेलन में विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्री, केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) तथा कृषि क्षेत्र से जुड़े अन्य हितधारक भाग लेंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य आगामी रबी मौसम के लिए तैयारियों की समीक्षा करने के साथ केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना तथा कृषि उत्पादन, उत्पादकता, स्थिरता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए समन्वित एवं परिणाम-उन्मुख रणनीति तैयार करना है।

सम्मेलन के पहले दिन तीन व्यापक क्षेत्रों में समानांतर विषयगत चर्चाओं के तीन दौर आयोजित किए जाएंगे। इनमें आत्मनिर्भरता, विविधीकरण एवं उत्पादन वृद्धि; स्थिरता एवं जलवायु-अनुकूल कृषि; तथा डिजिटल कृषि, बुनियादी ढांचा, वित्तपोषण एवं जोखिम प्रबंधन शामिल हैं।

चर्चा के दौरान दलहन, तिलहन और ऑयल पाम में आत्मनिर्भरता के लिए मिशन, बागवानी, कपास, बीजों की उपलब्धता और बीज मूल्य श्रृंखला में सुधार, प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य, कृषि मशीनीकरण, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए वित्तपोषण एवं बुनियादी ढांचा, विपणन सुधार, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड कवरेज, डिजिटल कृषि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पौध संरक्षण और कृषि सांख्यिकी जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा।

विषयगत चर्चाओं में रबी मौसम के दौरान सामने आने वाली प्रमुख कार्यान्वयन संबंधी चुनौतियों, राज्यों की प्राथमिकताओं और उनके अनुरूप कार्रवाई योग्य रणनीतियों की पहचान की जाएगी। योजनाओं के बीच बेहतर तालमेल, वितरण तंत्र को मजबूत करने तथा जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणाम सुनिश्चित करने पर विशेष जोर रहेगा।

सम्मेलन के दूसरे दिन क्षेत्रीय कृषि सम्मेलनों से प्राप्त प्रमुख परिणामों तथा पहले दिन हुई विषयगत चर्चाओं के निष्कर्षों पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान रबी मौसम के लिए मौसम संबंधी पूर्वानुमान, उर्वरकों की उपलब्धता और उनके संतुलित उपयोग, डिजिटल कृषि मिशन, किसान रजिस्ट्री, डिजिटल फसल सर्वेक्षण और एग्रीस्टैक जैसे विषयों पर विचार होगा।

इसके अलावा दलहन में आत्मनिर्भरता के लिए मिशन, खाद्य तेलों पर राष्ट्रीय मिशन, फसल एवं बीज की स्थिति, उन्नत किस्मों को अपनाने, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, विपणन सुधार तथा कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के माध्यम से कृषि योजनाओं को प्रभावी बनाने पर भी चर्चा की जाएगी।

राज्यों को प्राथमिकताएं और सुझाव रखने का अवसर

सम्मेलन में राज्यों के कृषि मंत्रियों को अपने अनुभव, राज्य की कृषि संबंधी प्राथमिकताएं और रबी मौसम की तैयारियों से जुड़े सुझाव साझा करने का अवसर मिलेगा। राज्यों से प्राप्त सुझावों और विषयगत चर्चाओं के निष्कर्षों के आधार पर रबी अभियान 2026 के लिए एक समन्वित और परिणाम-उन्मुख रणनीति तैयार की जाएगी।

उत्पादन बढ़ाने और किसानों को सशक्त बनाने पर जोर

समापन सत्र में सम्मेलन के दौरान हुए विचार-विमर्श का सार प्रस्तुत किया जाएगा और रबी फसलों का उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को सशक्त बनाने के लिए सुदृढ़

रूस ने यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया, बोला- पश्चिम को और सीटें नहीं

न्यूयॉर्क ,27 सितंबर। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी को रूस का समर्थन मिला है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में संबोधित करते हुए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया और स्थायी सदस्यता के लिए भारत तथा ब्राजील की उम्मीदवारी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के प्रतिनिधित्व को व्यापक बनाया जाना चाहिए।

लावरोव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार के नाम पर पश्चिमी देशों, विशेष रूप से जर्मनी और जापान को अतिरिक्त स्थायी सीटें देना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि रूस एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के

प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के पक्ष में है। उन्होंने स्थायी सीट के लिए भारत और ब्राजील की उम्मीदवारी का समर्थन करते हुए कहा कि सुधार प्रक्रिया में अफ्रीकी महाद्वीप के हितों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी को पुर्तगाल और मॉरीशस का भी समर्थन मिला है। मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफुल ने कहा कि उनका देश वैश्विक मामलों में भारत की रचनात्मक भूमिका को देखते हुए सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी के समर्थन को दोहराता है।

वहीं, पुर्तगाल ने भी सुरक्षा परिषद में संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता का समर्थन किया। पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो ने अफ्रीका, ब्राजील और भारत को स्थायी प्रतिनिधित्व देने वाली अधिक प्रतिनिधि सुरक्षा परिषद की मांग की।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कुल 15 सदस्य होते हैं। इनमें अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन पांच स्थायी सदस्य हैं। इन पांचों देशों को वीटो का विशेषाधिकार प्राप्त है। इसके अलावा 10 अस्थायी सदस्य होते हैं, जिनका कार्यकाल दो वर्ष का होता है।

सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में संशोधन करना होगा। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र के दो-तिहाई सदस्य देशों की मंजूरी और सभी पांच स्थायी सदस्यों का समर्थन भी जरूरी है।

एसआईआर में नाम कटा, तो घर जाकर दस्तावेज लेंगे अफसर: चुनाव आयोग का बड़ा फैसला; अब तक 13.37 करोड़ नाम कटे

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं की सुविधा के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। आयोग की शनिवार को हुई बैठक में तय किया गया कि अनमैप्ड और लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी के मामलों में नोटिस पाने वाले लोगों को सुनवाई के लिए ईआरओ/एईआरओ कार्यालय बुलाने की जरूरत नहीं होगी।

आयोग की बैठक 26 सितंबर को दोपहर तीन बजे हुई। बैठक में लिए गए फैसलों के अनुसार, ऐसे लोगों के घर जाकर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) दस्तावेज एकत्र करेंगे और उन्हें ईसीआईनेट पर अपलोड करेंगे। इसके बाद संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) दस्तावेजों के आधार पर फैसला करेंगे। आयोग ने कहा कि केवल विशेष परिस्थितियों में, ईआरओ के निर्णय के अनुसार, सुनवाई आयोजित की जाएगी और इसे प्राथमिकता के आधार पर ऑनलाइन कराया जाएगा। यदि सुनवाई की आवश्यकता पड़ती है तो मतदाता अपने परिवार के किसी भी वयस्क सदस्य को अपनी ओर से अधिकृत कर सकता है। आयोग ने ऑनलाइन सुनवाई की सुविधाओं को और मजबूत करने का भी फैसला किया है। जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) को निर्देश दिया गया है कि वे जरूरत के अनुसार पर्याप्त संख्या में हेल्प डेस्क स्थापित करें या विशेष शिविर आयोजित करें। इन सुविधाओं का लाभ रैन बसेरों में रहने वाले लोगों, मजदूरों, गरीबों, बेघर लोगों और अन्य

जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जाएगा।

आयोग ने कहा कि एसआईआर के लिए फॉर्म-6 के साथ संलग्न घोषणा को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। वहीं, एसआईआर अवधि के बाहर मतदाता पंजीकरण के लिए निर्वाचन नियम, 1960 के तहत लागू फॉर्म का इस्तेमाल किया जाएगा। आयोग ने कहा कि फील्ड अधिकारियों को उनकी वैधानिक शक्तियों के अनुरूप ईसीआईनेट प्रणाली में भूमिका-आधारित पहुंच दी गई है। ईसीआईनेट की समीक्षा के लिए वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त (डीईसी) की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जाएगी। इसमें आईआईटी/आईआईआईटी के एक स्वतंत्र विशेषज्ञ को भी शामिल किया जाएगा। यह समिति यह दोबारा जांच करेगी कि ईसीआईनेट अधिनियमों और नियमों के प्रावधानों के अनुरूप काम कर रहा है या नहीं और अपनी रिपोर्ट आयोग को सौंपेगी।

आयोग ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) से मिले सुझावों के आधार पर पोर्टल में कई अपग्रेडेशन पहले ही किए जा चुके हैं।

सम्पादकीय

यूएस में एआई के चलते निवेश की लगी होड़, 'स्टार्ट-अप इंडिया' पर असर

स्टार्ट-अप रिसर्च फर्म ट्रैकसन के मुताबिक एआई में निवेश की लगी होड़ के कारण विदेशी निवेशकों का रुख अमेरिका की ओर मुड़ा। नतीजतन, कम-से-कम 10 भारतीय स्टार्ट-अप्स अपना यूनिकॉर्न का दर्जा गंवा चुके हैं। भारत में कम से कम 10 स्टार्ट-अप्स 2024 के बाद से अपना यूनिकॉर्न दर्जा गंवा चुके हैं। यूनिकॉर्न उन नई टेक कंपनियों को कहा जाता है, जिनका बाजार मूल्य एक बिलियन डॉलर से अधिक हो जाता है। कोरोना काल में भारतीय स्टार्ट-अप्स विदेशी निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बने। नतीजतन, 2020-21 के बाद से तकरीबन 100 भारतीय स्टार्ट-अप्स को यूनिकॉर्न का दर्जा मिला। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'स्टार्ट-अप इंडिया' योजना की कामयाबी बताया गया। लेकिन 2024 से कहानी पलटनी शुरू हो गई। स्टार्ट-अप रिसर्च एवं एनालिटिक्स फर्म ट्रैकसन के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) में निवेश की लगी होड़ के कारण विदेशी निवेशकों का रुख अमेरिका की ओर मुड़ा। उधर अमेरिकी बॉन्ड्स पर ब्याज दरें भी बढ़ीं, जिनसे वहां निवेश करने में ज्यादा फायदा नजर आने लगा।

इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भी तमाम तरह की नकारात्मक चचाएं चलीं। तो कहा जा रहा है कि निवेशक अब कहानी के बजाय कारोबार की ठोस संख्याओं (मुनाफा) को देख रहे हैं। यानी धारणा बनी है कि भारतीय स्टार्ट-अप्स ने उज्ज्वल भविष्य की कहानियां निवेशकों को बेची थीं, जिनमें अब निवेशकों का भरोसा घट गया है। यह दीगर है कि निवेशकों का अभी जो आकर्षण केंद्र है, वह भी फिलहाल रेत की जमीन पर ही टिका है। अंतरराष्ट्रीय वित्त क्षेत्र में एआई में हुए अनियंत्रित निवेश को बाजार का बबूला मानने वालों की तदाद तेजी से बढ़ रही है। अमेरिका में मुद्रास्फीति में इजाफे के साथ ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना मजबूत हुई है।

उधर अमेरिका सरकार पर 40 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज चढ़ चुका है, इसलिए उसके बॉन्ड भी अब ऊंची ब्याज दर पर बिक रहे हैं। इससे बाजार में उपलब्ध नकदी के सिकुड़ने की आशंका है। कहा गया है कि हर बड़ा मार्केट बबल तब फटा, जब मुख्य कंपनियों के लिए उधार लेने की लागत (यानी ब्याज दर) तेजी से बढ़ी। यह सवाल चर्चा में है कि क्या एआई बूम का भी वही हाल होने जा रहा है? गौरतलब है कि चाहे स्टार्ट-अप बूम हो या एआई, दोनों की बुनियाद हवाई उम्मीदें रही हैं। ऐसी कथाओं का अक्सर निराशाजनक अंत होता है।

होर्मुज पर ट्रंप का दबावः क्या वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को समझौते की शर्तो से जोड़ना उचित है?

होर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब केवल दो देशों के बीच वूटनीतिक या सैन्य विवाद नहीं रह गया है। इसका सीधा संबंध पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा, तेल की कीमतों, समुद्री व्यापार और उन देशों की अर्थव्यवस्थाओं से है जो खाड़ी क्षेत्र से ऊर्जा आयात करते हैं। ऐसे समय में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के सात दिन में होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने और बातचीत शुरू करने के प्रस्ताव को अस्वीकार करना एक महत्वपूर्ण घटनाव्रम बन गया है।

ईरान ने मध्यस्थों के माध्यम से अमेरिका के सामने एक प्रस्ताव रखा था। उसके अनुसार, यदि अमेरिका सैन्य दबाव और ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी में राहत देता है, तो तेहरान एक सप्ताह के भीतर होर्मुज़ को फिर से खोलने और क्षेत्र में शत्रुता समाप्त करने की दिशा में कदम उठा सकता है। ईरान पहले भी संकेत दे चुका था कि सैन्य दबाव कम होने और नाकाबंदी हटने की स्थिति में जलडमरूमध्य को खोलने की तैयारी है।

लेकिन ट्रंप ने प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। उनका कहना है कि ईरान को तत्काल होर्मुज़ खोलना चाहिए और अमेरिका का दबाव तेहरान को आर्थिक कठिनाई में डाल रहा है। ाल्ूी के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ईरान पर व्यापक आर्थिक दबाव बनाए रखने और अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बातचीत की शर्तो पर जोर दे रहा है।

यहीं से अंतरराष्ट्रीय बहस शुरू होती है। आलोचकों का तर्व है कि यदि किसी रणनीतिक समुद्री मार्ग को खोलने को व्यापक राजनीतिक समझौते की शर्तो से जोड़ा जाता है, तो उसका प्रभाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहता। दुनिया के अरबों लोगों की ऊर्जा सुरक्षा को किसी एक देश की राजनीतिक बातचीत के दबाव का हिस्सा बनाना वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चिता का विषय है। हालांकि अमेरिका की ओर से इसे "दुनिया को बंधक बनाने" की नीति के रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है; अमेरिकी पक्ष इसे ईरान पर दबाव डालने की रणनीति के रूप में देखता है।

होर्मुज़ का महत्व समझना भी जरूरी है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुसार, संघर्ष से पहले 2025 में इस मार्ग से औसतन करीब 20.9 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल गुजर रहा था, जो वैश्विक पेट्रोलियम तरल पदार्थो की खपत के लगभग पांचवें हिस्से के बराबर था। 2026 की दूसरी तिमाही में संघर्ष के कारण यह प्रवाह लगभग 4.9 मिलियन बैरल प्रतिदिन रह गया।

इसका अर्थ है कि होर्मुज़ में लंबा गतिरोध तेल की कीमतों, परिवहन लागत, महंगाई और ऊर्जा आयात करने वाले देशों पर दबाव बढ़ा सकता है। भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश के लिए इसका महत्व और भी अधिक है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि अमेरिका और ईरान अपनी- अपनी राजनीतिक और सुरक्षा चिताओं को बातचीत के माध्यम से सुलझाएं। होर्मुज़ को वैश्विक वाणिज्य के लिए सुरक्षित और निर्बाध बनाना किसी एक पक्ष की जीत नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है।

यदि दुनिया की ऊर्जा जीवनरेखा किसी राजनीतिक समझौते की शर्तो में उलझ जाती है, तो उसका मूल्य केवल अमेरिका और ईरान नहीं, बल्कि पूरी दुनिया चुकाती है।

केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने जयंती पर अशोक सिंघल को किया याद और नमन

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख सूत्राधार एवं विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल की जयंती पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और अर्जुन राम मेघवाल समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री ने याद करते हुए नमन किया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में कहा, विश्व हिंदू परिषद के शिखर पुरुष अशोक सिंघल की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर लिखा, श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार, विश्व हिंदू परिषद के पूर्व संरक्षक एवं प्रखर राष्ट्रभक्त अशोक सिंघल की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन!सनातन संस्कृति के जागरण, समाज को एकजुट करने और प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने में आपका योगदान युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगा।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए अपना संपूर्ण जीवन होम कर देने वाले, श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के ध्वजवाहक, विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अध्यक्ष, श्रद्धेय अशोक जी सिंघल की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन अर्पित करता हूं!भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं राष्ट्र के नवनिर्माण में समर्पित आपका जीवन सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट किया, विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रणेता और भव्य श्री राम मंदिर के निर्माण के संकल्प को अपनी जीवन-साधना बनाने वाले अशोक सिंघल की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। राम, राष्ट्र एवं सनातन संस्कृति के प्रति समर्पित उनका तपस्वी जीवन सांस्कृतिक स्वाभिमान और राष्ट्र-साधना की अमिट प्रेरणा बना रहेगा।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख ध्वजवाहक एवं विश्व हिन्दू परिषद के शिखर पुरुष श्रद्धेय अशोक सिंघल की जयंती पर सादर नमन। धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण तथा श्रीराम

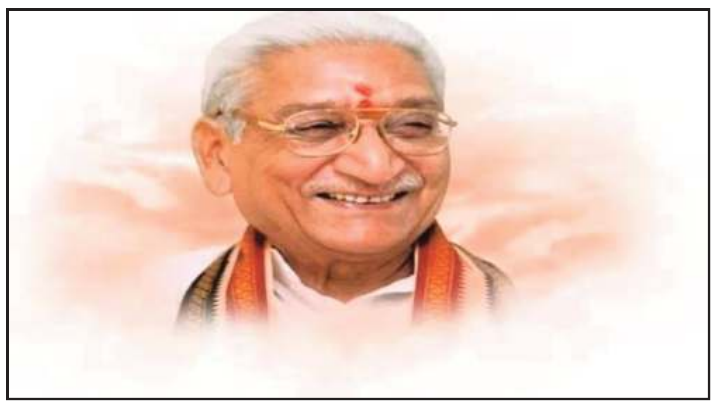

मंदिर आंदोलन में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर पोस्ट किया, श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार, विश्व हिंदू परिषद के पूर्व संरक्षक एवं प्रखर राष्ट्रभक्त पूज्य अशोक सिंघल जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! सनातन संस्कृति के जागरण, समाज को एकजुट करने और प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने में आपका योगदान युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट किया, सनातन संस्कृति के प्रखर संवाहक, हिंदू समाज के संगठन और जागरण के लिए जीवन समर्पित करने वाले परम श्रद्धेय अशोक सिंघल की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर लिखा, हिंदू समाज के संगठन, भारतीय संस्कृति के जागरण और राष्ट्रसेवा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष श्रद्धेय अशोक सिंघल जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका और समाज के बीच जनजागरण के लिए किए गए आपके अथक प्रयास सदैव स्मरणीय रहेंगे। आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति, संगठन कौशल और राष्ट्रहित के प्रति निष्ठा आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा देती रहेगी।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पोस्ट में कहा, करोड़ों रामभक्तों की आस्था को स्वर देने वाले एवं श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के महानायक परम पूज्य श्रद्धेय अशोक सिंघल जी की जन्मशताब्दी के पावन अवसर पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! संत समाज को एकजुट करने से लेकर जन-जन में सांस्कृतिक चेतना जगाने तक, उनका संपूर्ण जीवन धर्मरक्षा और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित रहा। उनके भगीरथ प्रयासों ने श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन को करोड़ों रामभक्तों की आस्था और संकल्प से जोड़ा। आज अयोध्या में प्रभु श्रीराम जी का भव्य मंदिर उनके उसी जीवन-संकल्प और निस्वार्थ तपस्या की साकार अभिव्यक्ति है। राष्ट्रसेवा और धर्म-रक्षा के प्रति उनका निस्वार्थ समर्पण इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में सदैव अंकित रहेगा। देश उनके इस अमूल्य योगदान का हमेशा ऋणी रहेगा।

भाजपा सांसद अरुण गोविल ने एक्स पर लिखा, श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार, विश्व हिंदू परिषद के पूर्व संरक्षक एवं प्रखर राष्ट्रभक्त अशोक सिंघल की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन!सनातन संस्कृति के जागरण, समाज को एकजुट करने और प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने में आपका योगदान युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगा।

कोशा उपन्यास का लोकार्पण संपन्न

लखनऊ। शतरंग प्रकाशन, लखनऊ द्वारा प्रकाशित वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक एवं लेखक प्रकाश दयाल के उपन्यास 'कोशा' का लोकार्पण उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के प्रेमचन्द सभागार में अतिथियों द्वारा किया गया । नूतन कहानियां सम्मान समारोह मुख्य अतिथि प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह भोपाल,विशिष्ट अतिथि डॉ. चंद्र भूषण त्रिपाठी (आई.ए.एस.) प्रबंध निदेशक पीसीएफ, लखनऊ डॉ. वीणा वर्मा कार्यकारी निदेशक, आरडीएसओ,लखनऊ , डॉ. सांत्वना तिवारी संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा,लखनऊ , आत्रेय मिश्र (पी.सी.एस.) उप निदेशक सूचना, लखनऊ रहे।

लोकापर्ण समारोह में लेखक प्रकाश दयाल ने कहा मैं छठवीं-सातवीं कक्षा में पढ़ता था। माँ को पढ़ने का शौक था। पिताजी उनके लिए गीताप्रेस, गोरखपुर की पत्रिका कल्याण का 'सत्कथा अंक' लेकर आए थे। इसमें देश विदेश की प्रेरक कथाओं का संकलन था। तब तक मैंने अपनी माँ के अति लघु पुस्तक सँग्रह से चोरी-छिपे तीन-चार उपन्यास पढ़ लिए थे। इस अंक की कहानियों ने मेरे बालमन को बहुत प्रभावित किया। उनमें से स्थूलभद्र की कहानी तो मेरे मन में अटक कर रह गई।

मुक्तिनाथ झा ने विचार व्यक्त करते कहा कोशा अनुराग और वैराग्य के दो किनारों को मानव मूल्यों के सेतु से जोड़ने वाली यह रचना मन की गहराइयों में उतर कर, एकांत की शून्यता का भटकाव समझने का प्रयास करती है। जीवन के एक मोड़ पर दो व्यक्तित्व एक दूसरे के निकट आकर प्रेम को परिभाषित करते हैं। उनके लम्बे सम्बंध में एक निर्णायक क्षण आता है जहाँ एक जीतना चाहता है तो दूसरा उसे पराजित होते नहीं देखना चाहता किन्तु हार उसे भी स्वीकार्य नहीं है। क्या बीच का कोई मार्ग संभव है? कोई तीसरा व्यक्ति भी अपना सब कुछ दाँव पर लगा कर इस कथा का अंत बदल देना चाहता है। उसकी जो परिणति होती है वह भी मानवता का अभिवादन है। इतिहास कभी पुराना नहीं होता क्योंकि वह

वर्तमान के लिए लिखा जाता है। ऐतेहासिक पृष्ठभूमि में लिखो इस उपन्यास के पात्र और उनकी मन स्थिति अपनी सार्वकालिकता और सार्वभौमिकता स्थापित करते हैं।

प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने विचार व्यक्त करते कहा राजनर्तकी कोशा का स्थूलभद्र पर अत्यधिक प्रेम था , परंतु राज्य के षड्यंत्र में पिता की मृत्यु होने पर स्थूलभद्र ने महामात्य का पद तो ठुकरा कर जैन आचार्य संभूततविजयजी से दीक्षा ली । दीक्षा के पश्चात चातुर्मास करने आचार्यश्री की अनुमति से राजनर्तकी कोशा के वैभवी आवास में चातुर्मास के लिए जैन मुनि स्थूलभद्र के आने से कोशा के हृदय में आनंद का ज्वार उमड़ने लगा । स्वयं को त्याग चुके हुए प्राणप्यारे प्रियतम मानो पुनः लौटे न हो ! कोशा ने कला एवं रुप की अभिव्यक्ति में तनिक भी कमी नहीं रखी , किन्तु मुनि स्थूलभद्र की आत्मकला की स्थिर द्युति देखकर कोशा ने मार्ग को बदल दिया ।प्रकाश दयाल " एक ऐसे संवेदनात्मक परिदृश्य का निर्माण करता है, जिसमें स्त्री का मन, उसकी पीड़ा, मिट्टी की गंध और प्रेम की अनिवार्यता एक साथ सांस लेते हुए प्रतीत होते हैं ।प्रकृति मनुष्य को हर पल चेताती भी है और उसे जीने के लिए प्रेरित भी करती है, पर मनुष्य इन सब बातों से बेखबर अपनी ही दुनिया में रमा रहता है। प्रकृति की तरह समय भी हर पल सचेत करता है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. चंद्र भूषण त्रिपाठी (आई.ए.एस.) ने विचार व्यक्त करते कहा स्थूलभद्र अपने समय के अग्रणी जैन आचार्यों में से एक बनकर उभरते हैं। वहीं कोशा, धन और विलासिता के खोखलेपन से निराश होकर, वैराग्य का एक अलग मार्ग चुनती है। अपनी प्रसिद्धि और धन- दौलत को पीछे छोड़कर, वह प्रकृति की शांत गोद में बस जाती है और ग्रामीण समुदायों की सेवा में अपना जीवन समर्पित कर देती है। इस तरह वह सांसारिक प्रशंसा से परे एक गहरे उद्देश्य की खोज करती है। ऐतिहासिक विवरणों से समृद्ध होने के साथ-साथ आधुनिक पाठकों के लिए बेहद प्रासंगिक, कोशाएक ऐसे स्थायी प्रेम की कहानी है जो अधिकार की भावना से परे है। यह वासना के ऊपर सिद्धांतों को चुनने के साहस और आत्म-खोज के माध्यम से मुक्ति की संभावना को दशार्ती है। ऐसे समय में जब रिश्ते तेजी से क्षणिक जुड़ाव में बदलते जा रहे हैं, ;कोशा प्रतिबद्धता, बलिदान और सच्चे प्रेम की परिवर्तनकारी शक्ति का एक ताजा उत्सव प्रस्तुत करती है। समारोह में नूतन कहानियां सम्मान से डॉ. सांत्वना तिवारी संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा, लखनऊ ,श्री आत्रेय मिश्र (पी.सी.एस.) उप निदेशक सूचना, लखनऊ को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र अग्निहोत्री ने किया। आभार विदर्भ कुमार ने व्यक्त किया।

पीओके में एलओसी खत्म करने और जम्मू-कश्मीर से रास्ते खोलने की उठी मांग

मंडहोल में अवामी एक्शन कमेटी का धरना, सरदार अमान खान ने पाकिस्तान सरकार पर लगाए भेदभाव के आरोप

(जीएनएस)।

मुजफ्फराबाद, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच नियंत्रण रेखा (एलओसी) को लेकर भी मांग तेज हो गई है। शनिवार, 26 सितंबर को एलओसी से करीब सात किलोमीटर दूर मंडहोल गांव में अवामी एक्शन कमेटी की ओर से एक दिवसीय धरना आयोजित किया गया। आयोजकों के अनुसार, धरने में करीब 25 हजार लोग शामिल हुए। हालांकि, भीड़ की इस संख्या की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध स्रोतों से नहीं हो सकी है।

धरने को संबोधित करते हुए अवामी एक्शन कमेटी के प्रमुख नेताओं में शामिल सरदार अमान खान ने पीओके में कथित राशन संकट, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य स्थानीय समस्याओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने सभा में मौजूद लोगों से पूछा कि क्या पीओके और जम्मू-कश्मीर के बीच मौजूद नियंत्रण रेखा को समाप्त कर आवागमन के रास्ते खोले जाने चाहिए। आयोजकों के मुताबिक, लोगों ने इन मांगों का समर्थन किया।

अमान खान ने कहा कि नियंत्रण रेखा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के बीच वर्षों से सामाजिक और आर्थिक संबंध रहे हैं। उन्होंने सभा में पुंछ और मेंढर के रास्ते खोलने तथा नियंत्रण रेखा के निकट प्रदर्शन करने के बारे में भी लोगों की राय मांगी। उनके अनुसार, सभा में मौजूद लोगों ने इन मांगों के समर्थन में आवाज उठाई।

पीओके में जारी आंदोलन में नियंत्रण रेखा के आसपास आवाजाही और व्यापार के रास्ते खोलने की मांग पहले भी सामने आती रही है। इस आंदोलन का एक प्रमुख हिस्सा बिजली, आवश्यक वस्तुओं, रोजगार, शासन और सामाजिक सुविधाओं से

जुड़े मुद्दों को लेकर है।

अमान खान ने पाकिस्तान सरकार और प्रशासन पर पीओके के लोगों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान को पीओके के साथ किसी तरह का समझौता करना है तो उसे क्षेत्र के लोगों के साथ पड़ोसी की तरह व्यवहार करना चाहिए।

उन्होंने पाकिस्तान की सेना पर भी गंभीर आरोप लगाए और दावा किया कि दशकों से क्षेत्र के लोगों की जमीन और संसाधनों पर नियंत्रण रखा गया है। उनका कहना था कि स्थानीय लोगों को अपने अधिकारों और बुनियादी सुविधाओं के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है। हालांकि, इन आरोपों पर पाकिस्तान सरकार या सेना की प्रतिक्रिया इस रिपोर्ट में उपलब्ध नहीं है।

धरने के दौरान पीओके में पिछले कुछ महीनों से कथित राशन संकट का मुद्दा भी उठाया गया। अमान खान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की ओर से आवश्यक खाद्य सामग्री की आपूर्ति प्रभावित की गई है, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पहले पीओके के लोग जम्मू-कश्मीर के मेंढर क्षेत्र से जरूरी सामान खरीदकर लाते थे, लेकिन नियंत्रण रेखा पर बाड़ और आवाजाही पर लगी पाबंदियों के कारण यह रास्ता बंद हो गया। उन्होंने दावा किया कि क्षेत्र की मौजूदा समस्याओं की जड़ पाकिस्तान का नियंत्रण है और लोगों को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

पीओके में खाद्य सामग्री, बिजली की कीमतों और अन्य आवश्यक सेवाओं को लेकर विरोध पहले भी व्यापक आंदोलन का हिस्सा रहा है। संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी ने पिछले वर्षों में सब्सिडी, बेहतर सार्वजनिक सेवाओं और शासन में सुधार समेत कई मांगें उठाई हैं।

सभा में पीओके की विधानसभा के चुनाव का मुद्दा भी उठाया गया। अमान खान ने दावा किया कि कुल 45 विधानसभा सीटों में से पुंछ और सुधनौती जिलों की सात सीटों पर विरोध के कारण मतदान नहीं हो सका, जबकि शेष 38 सीटों पर चुनाव कराया गया। उन्होंने पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था और चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन सात सीटों पर मतदान नहीं हुआ, वहां स्थानीय लोगों की इच्छा के विरुद्ध चुनाव कराना संभव नहीं होगा। हालांकि, मतदान से जुड़े इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध सामग्री के आधार पर नहीं हो सकी है।

अमान खान ने मुजफ्फराबाद स्थित पीओके की स्थानीय सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय सरकार पाकिस्तान की सेना के दबाव में काम करती है और लोगों से जुड़े गंभीर मुद्दों पर स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में सक्षम नहीं है।

उन्होंने हालिया विरोध-प्रदर्शनों में हुई हिंसा और लोगों की मौत का उल्लेख करते हुए सरकार की भूमिका पर सवाल उठाए। पीओके में इस वर्ष हुए प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पों में लोगों के मारे जाने की खबरें सामने आई हैं, हालांकि मृतकों की संख्या और घटनाक्रम को लेकर अलग-अलग दावे किए गए हैं।

धरने के अंत में अमान खान ने पीओके के भविष्य को लेकर पाकिस्तान से अलग होने की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की कई पीढ़ियां लंबे समय से पाकिस्तान के नियंत्रण में रह रही हैं और वास्तविक विकास तथा खुशहाली के लिए व्यवस्था में बड़े बदलाव की आवश्यकता है।

पीओके में जारी आंदोलन की शुरूआत मुख्य रूप से महंगाई, बिजली दरों, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, बेरोजगारी और शासन से जुड़े मुद्दों से हुई थी, लेकिन समय के साथ इसके कुछ नेताओं ने राजनीतिक अधिकारों और पाकिस्तान के नियंत्रण पर भी सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

अमान खान ने कहा कि क्षेत्र में लोगों के अधिकारों और बुनियादी सुविधाओं को लेकर विरोध आगे भी जारी रहेगा। हालिया धरने में नियंत्रण रेखा समाप्त करने और जम्मू-कश्मीर के पुंछ तथा मेंढर से रास्ते खोलने की मांग का उठना इस आंदोलन के बदलते स्वरूप की ओर संकेत करता है।

'मां, उन्होंने मेरे सीने पर घूंसे मारे-मुझे मार डालेंगे', गोहाटी होमस्टे में छात्रा की मौत, ब्वाय फ्रैण्ड हिरासत में

(जीएनएस)।

असम के गुवाहाटी में गुवाहाटी यूनिवर्सिटी की 26 वर्षीय छात्रा होमस्टे में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। छात्रा, शहर के बाहरी इलाके धरापुर-गराल स्थित एक होमस्टे में अपने परिचित 26 वर्षीय आशिक अलीके साथ ठहरी थी। 26 सितंबर सुबह वह गंभीर हालत में मिली। उसे पहले गराल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और फिर गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आशिक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मामला तब और गंभीर हो गया, जब परिवार ने दावा किया कि मौत से कुछ घंटे पहले निमिषा ने अपनी मां को फोन कर बताया था कि उसके साथ मारपीट की गई है। दूसरी ओर, पुलिस के मुताबिक आशिक ने दावा किया है कि निमिषा ने पंखे से फांसी लगाकर जान दी है। पुलिस इस दावे की जांच कर रही है और पोस्टमॉर्टम तथा फॉरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार है।

निमिषा के पिता दीप ठाकुरिया के मुताबिक, शनिवार तड़के करीब 2 बजे उनकी बेटी ने अपनी मां को फोन किया था। परिवार के अनुसार, निमिषा ने फोन पर बताया कि उसके साथ मारपीट हुई है और उसकी छाती पर घूंसे मारे गए हैं। उसने खुद को घायल बताया। इसके बाद परिवार का उससे संपर्क टूट गया और उसका फोन बंद हो गया।

परिवार ने कई बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। बाद में पुलिस की मदद से उसकी लोकेशन का पता लगाने की कोशिश की गई। कुछ समय बाद परिवार को गराल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक लड़की के मिलने की जानकारी दी गई।

परिवार को नहीं बताया था कि होमस्टे में जाएगी

निमिषा के पिता के मुताबिक, उनकी बेटी ने घर से निकलते समय परिवार को बताया था कि वह दोस्तों के साथ रहेगी और संभव है कि गुवाहाटी यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में रात बिताए। परिवार को यह जानकारी नहीं

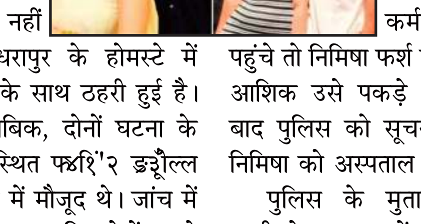

थी कि वह धरापुर के होमस्टे में आशिक अली के साथ ठहरी हुई है। पुलिस के मुताबिक, दोनों घटना के समय धरापुर स्थित फ्ळ१'२ ड्रझौल्ल नाम के होमस्टे में मौजूद थे। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों पहले भी वहां ठहर चुके थे।

रात करीब 9:30 बजे खाना मंगाया, 5 घंटे बाद सुनाई दीं चीखें

होमस्टे के कर्मचारी बिपुल बैलुंग के मुताबिक, निमिषा और आशिक कमरा नंबर-10 में ठहरे थे। दोनों ने रात करीब 9:30 बजे खाना ऑर्डर किया था। इसके बाद तड़के करीब 2:30 से 3 बजे के बीच कर्मचारियों ने एक पुरुष की आवाज में चिल्लाने और रोने की आवाज सुनी। बैलुंग के मुताबिक, कर्मचारी कमरे में पहुंचे तो निमिषा फर्श पर पड़ी थी और आशिक उसे पकड़े हुए था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और निमिषा को अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस के मुताबिक, आशिक अली ने पूछताछ में दावा किया कि निमिषा ने छत के पंखे से फांसी लगाकर जान दी और उसने उसे नीचे उतारा। हालांकि, पुलिस ने उसके इस बयान को अंतिम तथ्य नहीं माना है। ऊळढ (ही२३) बोलिन देउरी के अनुसार, जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि आशिक का बयान सही है या नहीं। यानी फिलहाल पुलिस के सामने दो महत्वपूर्ण पहलू हैं, परिवार की ओर से लगाए गए मारपीट के आरोप और आशिक का आत्महत्या का दावा। इन दोनों की पुष्टि जांच और फॉरेंसिक साक्ष्यों से होनी बाकी है।

निमिषा के पिता ने मीडिया से बातचीत में उसके शरीर पर चोट के निशान होने का दावा किया है। उन्होंने पूरे मामले की गहन जांच की मांग की है। हालांकि, चोटों की प्रकृति और उनकी मौत से क्या सीधा संबंध है, यह पोस्टमॉर्टम और अन्य जांच रिपोर्ट से स्पष्ट होगा। परिवार की ओर से गैंगरेप का आरोप भी लगाया गया है, लेकिन अब तक पुलिस जांच में इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

जांच के दौरान पुलिस को होमस्टे के रिकॉर्ड और सत्यापन व्यवस्था में कथित खामियां मिलीं। पुलिस के अनुसार, निमिषा और आशिक इस महीने कई बार यहां ठहरे थे और दोनों से जरूरी पहचान दस्तावेज नहीं लिए गए थे। इसके बाद प्रशासन ने होमस्टे को सील कर दिया और उसके रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी। होमस्टे मालिक से भी पूछताछ की गई है। पुलिस ने संकेत दिया है कि नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर अलग से कार्रवाई की जाएगी।

मामले की जांच में फॉरेंसिक टीम और उकऊ से जुड़े अधिकारी भी शामिल हैं। होमस्टे के कमरे की जांच कर वहां से संभावित साक्ष्य जुटाए गए हैं। पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के साथ-साथ घटनास्थल से मिले सबूत, संबंधित लोगों के बयान और फोन से जुड़े डेटा की जांच कर रही है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

अशोक सिंघल जन्म शताब्दी वर्ष पर संगोष्ठी आयोजित

बच्चे अशोक सिंहल से प्रेरणा लेकर हों राष्ट्र को समर्पितः स्वांत रंजन.

बच्चे जन्मदिन पर पौधा रोपण और अन्न दान करें: डॉ सूर्य कान्त

(जीएनएस)।

लखनऊ। श्रद्धेय अशोक सिंघल जी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार, 27 सितंबर 2026 को एसकेडी अकादमी, वृंदावन कॉलोनी, लखनऊ में सांस्कृतिक गौरव संस्थान की ओर से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांस्कृतिक गौरव संस्थान अवध प्रांत के अध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी-3 श्री परमेंद्र शुक्ला और संस्था के सचिव कृष्ण कुमार शुक्ला उपस्थित रहे.

अशोक सिंघल जी के योगदान को किया स्मरण

मुख्य अतिथि स्वांत रंजन जी ने श्रद्धेय अशोक सिंघल जी के जीवन एवं कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदू समाज के जागरण और विभिन्न आंदोलनों में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने साधु-संतों को एकजुट करने तथा समाज को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के लिए उनके प्रयासों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। बच्चों को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए.

अन्नप्राशन संस्कार में स्वास्थ्य का संदेश

डॉ. सूर्यकान्त जी ने सनातन संस्कारों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जन्म के लगभग छह माह बाद होने वाला अन्नप्राशन संस्कार केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि शिशु के जीवन में एक नई शुरूआत का संस्कार है।

उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में स्वच्छता को सदैव विशेष महत्व दिया गया है। हाथों की स्वच्छता (ळ्ल्ल्ल ल्टॅल्ल्ली) भी हमारी जीवन-पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है, जो आज के समय में भी मानव स्वास्थ्य और संक्रमण से बचाव के लिए अत्यंत उपयोगी है।

उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में संस्कार भी हैं और स्वास्थ्य का विज्ञान भी।

जन्मदिन को संस्कार, सेवा और पर्यावरण से जोड़ने का आ'ान

डॉ. सूर्यकान्त जी ने बच्चों के जन्मदिन को भी सनातन संस्कारों और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जन्मदिन की सुबह बच्चों के माथे पर तिलक अवश्य लगाना चाहिए, क्योंकि सनातन परंपरा में इसका विशेष महत्व है।

उन्होंने कहा कि जन्मदिन के अवसर पर गुड़ से बने गुलगुले और पूये बनाकर स्वयं भी खाएं और दूसरों को भी खिलाएं। बच्चों के जन्मदिन पर मोमबत्ती जलाकर बुझाने की परंपरा के स्थान पर भारतीय संस्कारों को अपनाने का आ'ान किया।

उन्होंने विशेष रूप से कहा कि 10 वर्ष तक के बच्चों के जन्मदिन पर उनके हाथों से कम से कम 10 पौधे अवश्य लगवाए जाएं, ताकि बचपन से ही उनमें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित हो। साथ ही, जन्मदिन के शुभ अवसर पर जरूरतमंदों की सहायता और सेवा करने की परंपरा विकसित करने का भी संदेश दिया।

डॉ. सूर्यकान्त जी ने कहा कि जन्मदिन केवल उत्सव का अवसर न होकर ऐसा अवसर बने, जिसमें संस्कार हों, सेवा हो, पर्यावरण संरक्षण हो और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव हो।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सनातन संस्कृति, संस्कार, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सेवा के इन संदेशों को समाज तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में हरि शरण मिश्रा सहित अनेक गणमान्यजन एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में संतोष सिंह तिलन, जिला अध्यक्ष लखनऊ की प्रमुख भूमिका रही।

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद करें राज्य सरकारें : मायावती

(जीएनएस)।

लखनऊ, बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने देश के विभिन्न हिस्सों में भारी वर्षा, आंधी और तूफान के कारण उत्पन्न हालात पर चिंता जताते हुए संबंधित राज्य सरकारों से प्रभावित लोगों की हर स्तर पर पूरी मदद करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे लोगों को तत्काल राहत उपलब्ध कराना सरकारों की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

मायावती ने विशेष रूप से महाराष्ट्र के कई इलाकों में सूखे की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां प्रभावित लोगों और खासकर किसानों को केवल औपचारिक राहत देने के बजाय जमीनी स्तर पर वास्तविक मदद पहुंचाई जानी चाहिए। किसानों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार को प्रभावी कदम उठाने चाहिए।उन्होंने बताया कि देश में बसपा के संगठन को मजबूत करने और सर्वसमाज में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के उद्देश्य से पार्टी संगठन को तीन सेक्टरों में बांटा गया है। पहले सेक्टर में 10 राज्य शामिल किए गए हैं, जिनकी जिम्मेदारी राज्यसभा सांसद रामजी गौतम और सुरेश राव को केंद्रीय सेक्टर प्रभारी के रूप में दी गई है। दूसरे सेक्टर में नौ राज्य शामिल हैं और इसकी जिम्मेदारी पूर्व राज्यसभा सांसद राजाराम तथा पूर्व विधायक अतरसिंह राव को दी गई है। तीसरे सेक्टर में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को रखा गया है, जिनका कार्य लखनऊ स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय से सीधे देखा जा रहा है।मायावती ने पहले और दूसरे सेक्टर के केंद्रीय प्रभारियों से अपील की कि उनके अधीन आने वाले राज्यों में जहां भी भारी वर्षा, तूफान अथवा अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण बड़े पैमाने पर जन-धन की क्षति हुई है, वहां बसपा के कार्यकर्ता अपनी क्षमता के अनुसार प्रभावित लोगों की मदद करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके लिए पार्टी कार्यकताओं को अलग से धन एकत्र नहीं करना है, ताकि राहत कार्य की आड़ में किसी प्रकार का अनुचित लाभ उठाने की गुंजाइश न रहे।मायावती ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर अधिक प्रभावित राज्यों में बसपा के राष्ट्रीय प्रभारी ईशान आनंद को भी भेजा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सेक्टर तीन में शामिल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की स्थिति पर उनकी स्वयं भी नजर है और जरूरत पड़ने पर वह प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर सकती हैं।बसपा प्रमुख ने केंद्र सरकार से भी अनुरोध किया कि जिन राज्यों में प्राकृतिक आपदा का प्रभाव अधिक है, वहां की राज्य सरकारों को समय रहते हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के काम में तेजी लाई जा सके।

तीन दिन की बैंक हड़ताल से पहले आज खुले रहेंगे बैंक, ग्राहकों को निपटाने होंगे जरूरी काम

(जीएनएस)।

प्रयागराज, लखनऊ, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आ'ान पर 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए रविवार को प्रयागराज समेत देशभर के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सामान्य कार्यदिवस की तरह खुले रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय के निर्देश पर रविवार को बैंक शाखाओं, एटीएम से जुड़ी शाखाओं तथा करेंसी चेस्ट को खुला रखने का विशेष निर्णय लिया गया है, ताकि हड़ताल से पहले ग्राहकों को नकदी निकासी, चेक क्लीयरेंस और अन्य जरूरी बैंकिंग कार्य निपटाने का अवसर मिल सके।बैंक कर्मचारी संगठनों की ओर से प्रस्तावित हड़ताल के पीछे पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था लागू करने समेत कई मांगें प्रमुख हैं। बैंक कर्मचारी सभी शनिवार को अवकाश घोषित कर सप्ताह में केवल पांच दिन बैंकिंग कार्य कराने की मांग लंबे समय से कर रहे हैं। इसके अलावा प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना में मौजूद विसंगतियों को दूर करने और पारदर्शी तरीके से लाभ देने, बैंकों में रिक्त पदों पर भर्ती, पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने तथा अन्य लंबित सेवा संबंधी मांगों को लेकर भी कर्मचारी संगठन आंदोलन कर रहे हैं। हड़ताल में राष्ट्रीयकृत बैंकों के साथ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और जिला सहकारी बैंक के कर्मचारी तथा अधिकारी भी शामिल होने की बात कही गई है।28 से 30 सितंबर तक हड़ताल के दौरान प्रयागराज जिले की 500 से अधिक बैंक शाखाओं में कामकाज प्रभावित रहेगा। शाखाओं के काउंटर से होने वाले लेन-देन, चेक क्लीयरेंस, बैंक ड्राफ्ट और पासबुक में प्रविष्टि जैसे कार्य बंद रहने की संभावना है। लगातार तीन दिन शाखाएं बंद रहने के कारण शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के एटीएम में नकदी की उपलब्धता प्रभावित होने की भी आशंका जताई जा रही है। हालांकि बैंक प्रबंधन की ओर से हड़ताल से पहले एटीएम में पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराने की तैयारी किए जाने की बात कही गई है।हड़ताल के दौरान कर्मचारियों के वेतन और पेंशन से जुड़े भुगतान को लेकर भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। केंद्र सरकार ने हड़ताल को देखते हुए केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के सितंबर माह के वेतन और पेंशन का भुगतान निर्धारित समय से पहले 25 सितंबर तक उनके खातों में कराने की व्यवस्था की थी।बैंक प्रबंधन और कर्मचारी संगठनों ने ग्राहकों से अपील की है कि नकद लेन-देन, चेक जमा करने, बैंक ड्राफ्ट बनवाने तथा अन्य जरूरी बैंकिंग कार्य आज ही शाखाओं में पहुंचकर निपटा लें। हड़ताल के दौरान डिजिटल बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई जैसी सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहने की उम्मीद है, हालांकि शाखाओं से जुड़े कार्यों के लिए ग्राहकों को तीन दिन तक इंतजार करना पड़ सकता है।

भगत सिंह की जयंती पर आप ने प्रदेशभर में लगाया रक्तदान शिविर, युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

(जीएनएस)।

लखनऊ, अमर शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के आ'ान पर रविवार को प्रदेशभर में राष्ट्रसेवा के तहत विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। हमीरपुर, फतेहपुर, फिरोजाबाद, सुल्तानपुर, सहारनपुर, आगरा, गोरखपुर, हापुड़, अंबेडकरनगर, गौतमबुद्धनगर, गोंडा, बरेली, गाजीपुर, सोनभद्र और चित्रकूट समेत प्रदेश के सभी जिलों में पार्टी कार्यकताओं ने रक्तदान किया। लखनऊ में किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के शताब्दी विभाग में आयोजित रक्तदान शिविर में जिलाध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और बड़ी संख्या में युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुए जिलाध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि भगत सिंह ने देश की आजादी और स्वाभिमान के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने कहा कि आजादी के लिए देशभक्तों ने अपना खून बहाया था और आज हमारा दायित्व है कि जरूरतमंद लोगों की जान बचाने के लिए रक्तदान करें। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि शहीदों के विचारों को समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।इरम रिजवी ने कहा कि अस्पतालों में कई बार गरीब और असहाय परिवारों को समय पर रक्त उपलब्ध नहीं हो पाता। दुर्घटनाओं और गंभीर बीमारियों के मामलों में रक्त की कमी मरीजों और उनके परिवारों के लिए बड़ी समस्या बन जाती है। ऐसे समय में किसी व्यक्ति द्वारा दिया गया रक्त का एक-एक कतरा किसी जरूरतमंद की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकताओं की ओर से किया गया रक्तदान जरूरतमंद मरीजों को जीवन बचाने में मदद करेगा।उन्होंने कहा कि भगत सिंह ऐसे भारत का सपना देखते थे, जहां प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार मिले और कोई व्यक्ति भूखा या असहाय न रहे। युवाओं को उनके विचारों से प्रेरणा लेकर समाजसेवा के कार्यों में आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान जैसे कार्य समाज के प्रति जिम्मेदारी और मानव सेवा की भावना को मजबूत करते हैं।इरम रिजवी ने बताया कि संजय सिंह के आ'ान पर प्रदेश के सभी जिलों में पार्टी कार्यकताओं ने एकजुट होकर रक्तदान अभियान चलाया। उन्होंने दावा किया कि प्रदेशभर में युवाओं और सामाजिक कार्यकताओं ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए सैकड़ों यूनिट रक्तदान किया। पार्टी पदाधिकारियों ने रक्तदान करने वाले सभी युवाओं और रक्तदाताओं का आभार जताते हुए लोगों से समय-समय पर रक्तदान करने की अपील की।इस अवसर पर विवेक सिंह, विकास सिंह, माजिद, अनूप पाल, ज्ञान सिंह, जावेद, प्रेरणा, सुरभि, उमराह, उमेश, शहाना, आरिफा, शाहीन, निखत, खालिदा, गुलफिशा, माजदा, शोएब, किरन, रोहित, आफरीन, इशरत, जिया, सौम्या, सादिया, फामिदा, फराह जहां, नसरीन, मोहम्मद कलीम और रूही समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बारिश के बीच मंत्री ए.के. शर्मा ने लखनऊ में जलभराव और जल निकासी व्यवस्था का लिया जायजा

(जीएनएस)।

लखनऊ, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने राजधानी में लगातार हो रही बारिश के बीच रविवार को विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर जलभराव और जल निकासी की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जनेश्वर मिश्र पार्क, अंबेडकर मेमोरियल पार्क के पास अंडर ब्रिज, इंदिरा नगर के सी ब्लॉक, रहीम नगर और महानगर सहित विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को बारिश के दौरान पूरी तरह सतर्क रहने और जहां भी जलभराव की स्थिति बने, वहां तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मंत्री ने जनेश्वर मिश्र पार्क और अंबेडकर मेमोरियल पार्क के पास स्थित अंडर ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति की जानकारी ली और अंडर ब्रिज में पानी न लगने पर संतोष जताया। उन्होंने नगर आयुक्त गौरव कुमार को राजधानी के सभी अंडरपास और अंडर ब्रिज को चिन्हित कर उनकी जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा करने तथा भविष्य में जलभराव की समस्या न हो, इसके

लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इसके बाद ए.के. शर्मा इंदिरा नगर के सी ब्लॉक पहुंचे और नाले तथा जल निकासी व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी बातचीत कर बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति की जानकारी ली। क्षेत्रवासियों ने बताया कि नाला बन जाने के बाद इस वर्ष बारिश में जलभराव की समस्या नहीं हुई है। इस पर स्थानीय लोगों ने जल निकासी व्यवस्था में सुधार के लिए मंत्री का आभार जताया।मंत्री ने रहीम नगर और महानगर क्षेत्र में भी नालों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बारिश के दौरान सभी क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाए और जहां जलभराव हो, वहां तत्काल पंपिंग, सफाई और जल निकासी के जरूरी उपाय किए जाएं। उन्होंने नगर आयुक्त को राजधानी के सभी निचले इलाकों को चिन्हित कर जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।ए.के. शर्मा ने कहा कि लखनऊ में पिछले 20 वर्षों के वर्षा रिकॉर्ड में दर्ज बारिश के बावजूद लगातार दो-तीन दिन हुई बारिश के बाद भी जल निकासी के लिए किए गए कार्यों के कारण इस वर्ष राजधानी में गंभीर जलभराव की स्थिति नहीं बनी है। उन्होंने कहा कि पूर्व में फैजुल्लागंज, विधानसभा और सिविल हॉस्पिटल के आसपास बारिश के दौरान जलभराव की समस्या सामने आती थी, लेकिन पिछले वर्षों में जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए किए गए कार्यों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान को प्राथमिकता दी जाए।

जलभराव अधिक बारिश नहीं, भाजपाई भ्रष्टाचार से फेल जल निकासी व्यवस्था का नतीजा : अखिलेश

(जीएनएस)।

लखनऊ, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शहरों में जलभराव को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जलभराव का मुख्य कारण अधिक वर्षा नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के चलते जल निकासी व्यवस्था का फेल होना है। उन्होंने कहा कि नालियों से लेकर बड़े नालों तक गंदगी से जाम पड़े हैं तो पानी निकलेगा कहां से।अखिलेश यादव ने कहा कि विभिन्न प्रकार के प्रदूषण और नालों का पानी नदियों में गिरने के कारण नदियों के बहाव में गाद जमा हो गई है, जिससे उनका प्राकृतिक प्रवाह बुरी तरह बाधित हुआ है। उन्होंने कहा कि उफनती नदियों के पानी को रोकने के लिए बांध बनाना ही प्रभावी समाधान नहीं है। भविष्य में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर नदियों की गाद हटाकर उन्हें गहरा करने का काम किया जाएगा, जिससे नदियां बिना रुकावट प्राकृतिक रूप से बह सकें। उन्होंने कहा कि नदियों के भीतर मौजूद जीव-जंतुओं और पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका से नदियों को स्वयं निर्मल होने में मदद मिलेगी।सपा अध्यक्ष ने कहा कि राजधानी लखनऊ हो या स्मार्ट सिटी गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे बड़े शहर, हर जगह जलभराव और गंदगी से हालात खराब हैं। इससे बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से नदी किनारे बसे और नदी आधारित अर्थव्यवस्था पर निर्भर लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार की आंख का पानी भी बहकर जलराशि बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा जाएगी और नदी जीवन पाएगी।

वोट चोरी और घोटाले में भाजपा सरकार शामिल : अखिलेश

(जीएनएस)।

लखनऊ, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा और प्रदेश सरकार पर चुनाव में कथित वोट चोरी और अनियमितताओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। रविवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और भाजपा वोट चोरी तथा घोटाले में शामिल हैं, इसलिए वे इस मामले में चुनाव आयोग का बचाव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर के चढ़ावे और चंदे में चोरी कर सकते हैं, उनसे और क्या उम्मीद की जा सकती है।

अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग से अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने और किसी के इशारे पर काम नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने वोट चोरी और चुनाव में कथित बेईमानी को लेकर कई बार चुनाव आयोग से शिकायत की, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने रामपुर के चुनाव से लेकर उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनावों तक में बड़े पैमाने पर अनियमितता होने का

आरोप लगाया। उनके मुताबिक कई मतदाताओं को मतदान से रोका गया, मतदाताओं के नाम काटे गए और अधिकारियों की तैनाती में मनमानी की गई, लेकिन चुनाव आयोग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई।सपा अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव में वोट चोरी और कथित बेईमानी की शिकायतें लंबे समय से सामने आती रही हैं। वर्ष 2017 के चुनाव में पार्टी इन घटनाओं को पूरी तरह समझ नहीं पाई थी, जबकि 2022 के चुनाव में समाजवादी पार्टी समर्थकों के बड़ी संख्या में वोट काटे जाने का उन्होंने आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने इसकी शिकायत की, लेकिन किसी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। अखिलेश ने दावा किया कि अब जब इस तरह की खबरें प्रमुखता से सामने आने लगी हैं तो लोगों को चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जानकारी हो रही है।

उन्होंने नोएडा में भी बड़े पैमाने पर फर्जी वोट बनाए जाने का आरोप लगाया।अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव में वोट चोरी की खबरों को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय को पश्चिम बंगाल और बिहार में दोबारा चुनाव कराने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव में कथित अनियमितताओं और दोबारा चुनाव की मांग करने वाले कुछ लोग स्वयं चुनाव आयोग में काम कर चुके हैं और अपने अनुभव के आधार पर ये बातें कह रहे हैं।उ

न्होंने कहा कि वर्ष 2024 में समाजवादी पार्टी ने भाजपा को हराया है और 2027 में भाजपा का सफाया कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 27 हजार वोट बढ़ाने के साथ भाजपा के कथित फर्जी 27 हजार वोट घटाने का काम करेगी।

सुरक्षा से सुविधा तक लखनऊ मंडल में बदलाव की नई तस्वीर

(जीएनएस)।

लखनऊ, पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के नेतृत्व में रेल

संचालन को सुरक्षित, सुगम और यात्री सुविधाओं के लिहाज से बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मंडल में संरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल और रेल कर्मचारियों के प्रोत्साहन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।रेल संचालन की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए कवच जैसी आधुनिक सुरक्षा तकनीक को बढ़ावा देने के साथ रेल पटरियों, संकेत प्रणाली, विद्युत उपकरणों तथा पुल-पुलियों की नियमित निगरानी की जा रही है। बारिश के दौरान रेल संचालन में आने वाली संभावित चुनौतियों को देखते हुए संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी और गश्त की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए जल निकासी व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल की कार्यशैली में मैदानी निरीक्षण और त्वरित निगरानी को प्राथमिकता दी जा रही है।

स्टेशनों और रेल परिसरों में स्वच्छता व्यवस्था की नियमित समीक्षा के साथ यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की भी लगातार जांच की जा रही है। इसका उद्देश्य यात्रियों को स्टेशनों पर बेहतर वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।रेल प्रशासन की ओर से बेहतर कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने और उनके योगदान को सम्मान देने की पहल भी की जा रही है। विशेष रूप से रेल संचालन की संरक्षा से जुड़े कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्यों को पहचानकर उन्हें सम्मानित किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में जिम्मेदारी और उत्साह की भावना को बढ़ावा मिल सके।लखनऊ मंडल में रेल प्रशासन का मुख्य जोर सुरक्षित रेल संचालन, यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और आधुनिक तकनीक का प्रभावी इस्तेमाल करने पर है।

संरक्षा व्यवस्था की निगरानी, यात्री सुविधाओं में सुधार, स्वच्छता और कर्मचारियों के प्रोत्साहन से जुड़े इन प्रयासों के माध्यम से मंडल में रेल सेवाओं को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

2027 की जीत के लिए अभी से एकजुट होकर जुटें कांग्रेस कार्यकर्ता: सूरज ठाकुर

एआईसीसी सचिव ने होशियारपुर जिले में वर्करों और नेताओं से लिया फीडबैक, दिए दिशा निर्देश

अक्तूबर महीने में करेंगे होशियारपुर जिले की सभी सीटों पर प्रवास, करेंगे व्यक्तिगत मीटिंगें

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ 28 सितंबर को होशियारपुर कांग्रेस कार्यालय में होगा धरना-प्रदर्शन: डैनी बंडाला

(जीएनएस)।

होशियारपुर, पंजाब कांग्रेस कमेटी के को-प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सूरज ठाकुर ने शनिवार को होशियारपुर जिला कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक में कार्यकताओं और पदाधिकारियों को 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से पूरी ताकत के साथ जुटने का आ'ान किया। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं और कार्यकताओं को आपसी मनमुटाव भुलाकर कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा। पंजाब कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुखविंदर सिंह डैनी बंडाला और कार्यकारी अध्यक्ष संगत सिंह गिलजियां खास तौर पर इस मीटिंग में शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए सूरज ठाकुर ने कहा कि पंजाब में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने जिला पदाधिकारियों, ब्लॉक प्रधानों और कार्यकताओं से हलका स्तर की विस्तृत रिपोर्ट ली, उनका फीडबैक सुना और संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अलग-अलग बैठकर चर्चा भी की। उन्होंने वर्करों और नेताओं को विश्वास दिलाया कि वह अक्तूबर में तीन दिन का प्रवास करेंगे। होशियारपुर जिले के सभी हलकों में जाकर उनसे मुलाकात करेंगे।

उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर कांग्रेस की नीतियों और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाए, ताकि 2027 के चुनाव में पार्टी और अधिक मजबूती के साथ मैदान में उतरे। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग आम आदमी पार्टी की सरकार से तंग आ चुके हैं। वह कांग्रेस की सरकार बनाना चाहते हैं। कांग्रेस भारी बहुमत के साथ दोबारा पंजाब में सरकार बनाने जा रही है।

पंजाब कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुखविंदर सिंह डैनी बंडाला ने बैठक के दौरान यह भी घोषणा की गई कि 28 सितंबर को होशियारपुर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भाग लेंगे। सभी वर्करों को इस धरने को सफल बनाने की अपील की।

इस अवसर पर लोकसभा उम्मीदवार यामिनी गौमर, पूर्व विधायक पवन आदिया, पूर्व विधायक अरुण डोगरा मिक्की, जिला कांग्रेस अध्यक्ष दलजीत सिंह गिलजियां, अमरप्रीत सिंह लाली तथा एडवोकेट रोहित जोशी सहित कई वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

महाराष्ट्र के दौंड में युवक से मारपीट और लूटपाट, दो भाइयों पर मामला दर्ज

(जीएनएस)।

पुणे, महाराष्ट्र के पुणे के दौंड इलाके में एक 29 साल के व्यक्ति से मारपीट और लूटपाट की घटना सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में दो भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित का नाम दिनेश भरत धनवे है। वहीं, आरोपियों की पहचान आदर्श अनिल जाधव और अमन अनिल जाधव के तौर पर हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता रेलवे ग्राउंड के पास खड़ा होकर फोन पर बात कर रहा था। उसी समय आरोपी उसके पास आए और पैसे की मांग करते हुए पूछा, तुम हमारे इलाके में क्यों आए हो?

जब शिकायतकर्ता ने वहां से हटने से इनकार किया, तो आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन तोड़ दिया और उसे थप्पड़ मारा, जिससे वह जमीन पर गिर गया। इसके बाद, आरोपी आदर्श जाधव ने धनवे पर हमला किया और लोहे की रॉड से उसकी पीठ, जांघ और सिर पर चोट पहुंचाई।

मारपीट के दौरान पीड़ित की पैंट की जेब से जबरन 3,500 रुपये निकाल लिए गए। इसके अलावा, जब शिकायतकर्ता ने अपने रिश्तेदारों को फोन किया, तो आरोपी ने अपने भाई अमन अनिल जाधव को मौके पर बुला लिया। दोनों ने मिलकर धनवे को अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित की शिकायत पर दौंड पुलिस स्टेशन में आदर्श और अनिल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल मामले की आगे की जांच चल रही है।

इससे पहले, मई में दौंड से मेडिकल फ्रॉड का एक मामला सामने आया था, जिसमें गैर-कानूनी तरीके से इलाज कर रहे एक फर्जी डॉक्टर को पकड़ा गया था।

पुलिस ने बताया कि उसके पास से दवाइयां, इंजेक्शन और 6.54 लाख रुपये नकद जब्त किए गए थे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, आरोपी ओमप्रकाश बंसीलाल स्वर्णकार ने यवत के कसुरदी गांव के अखदेवस्ती इलाके में एक अवैध क्लिनिक शुरू किया था। उसके पास कोई वैध मेडिकल डिग्री, महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन या दवाएं बेचने का लाइसेंस नहीं था।

पुलिस द्वारा क्लिनिक पर छापा मारने के बाद इस अवैध काम का पता चला था। छापे के दौरान, वहां से अलग-अलग कंपनियों की एलोपैथिक दवाएं, इंजेक्शन, सिरिंज, बिना लेबल वाली संदिग्ध तरल पदार्थों से भरी बोतलें और नकदी बरामद की गई थी।

लुधियाना में अमरजीत चावला के घर पुलिस की रेड, रेप मामले में नामजद; पूछताछ जारी

(जीएनएस)।

लुधियाना, महिला से रेप के आरोप में नामजद एसजीपीसी के पूर्व सदस्य अमरजीत सिंह चावला के लुधियाना स्थित घर में पंजाब पुलिस की टीम ने छापेमारी की है।

जानकारी के मुताबिक रेड के दौरान चावला घर पर नहीं मिले, जिसके बाद पुलिस टीम ने घर में उनकी पत्नी से पूछताछ की। पुलिस की यह कार्रवाई सुबह करीब 8:30 बजे शुरू हुई। अमरजीत सिंह चावला का घर मॉडल टाउन एक्सटेंशन में वीआईपी लेन के पास स्थित है।

इस छापेमारी के लिए आनंदपुर साहिब से 10 से 15 पुलिस अधिकारियों की एक बड़ी टीम लुधियाना पहुंची है। पुलिस टीम में महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। पूरी टीम सुबह 3 गाड़ियों के काफिले में यहां पहुंची और आते ही घर में जांच शुरू कर दी। फिलहाल घर के अंदर पुलिस की पूछताछ और तलाशी अभियान जारी है।

बता दें थाना आनंदपुर साहिब में 21 अगस्त 2026 को रेप के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। उसमें मुख्य आरोपी अमरजीत सिंह चावला है। आज थाना आनंदपुर साहिब की टीम मुकदमे के बारे में इन्वेस्टिगेशन के लिए आई। इनके फैमिली मेंबर्स, इनकी पत्नी घर पर मौजूद मिली हैं। उनसे पूछताछ की गई। पुलिस डाक्यूमेंट्स या कोई और टेक्निकल एविडेंस हासिल करने की कोशिश कर रही है। इस पर अभी जांच जारी है।

महिला मालवा क्षेत्र से संबंधित है जो 25 सालों से बहरीन में रह रही हैं। स्नङ्घक्र के अनुसार वारदात 27 फरवरी से 19 अगस्त, 2026 के बीच की बताई गई है। महिला ने बताया कि वह धार्मिक यात्रा पर श्री आनंदपुर साहिब आई थी। महिला का आरोप है कि चावला उसे अलग-अलग सराय/कमरों में ले गया। यहां बंधक बनाया और कई बार रेप किया। विरोध करने पर धमकाया गया, जिससे तंग आकर उसने आत्महत्या की कोशिश भी की, लेकिन सेवादार ने उसे अस्पताल पहुंचाकर बचा लिया।

विश्व पर्यटन दिवस पर पर्यटन मंत्रालय ने दिल्ली में चलाया स्वच्छता अभियान, की सफदरजंग के मकबरे पर सफाई

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, विश्व पर्यटन दिवस पर केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने रविवार को 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के तहत दिल्ली के सफदरजंग इलाके में मकबरे पर सफाई अभियान चलाया। इस पहल का मकसद स्वच्छता, नागरिक जिम्मेदारी और भारत की धरोहरों के संरक्षण को बढ़ावा देना है। इस अभियान में पर्यटन मंत्रालय के सचिव भुवनेश कुमार के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी और प्रमुख हॉस्पिटैलिटी और पर्यटन संस्थानों के लगभग 200 छात्र और फैकल्टी सदस्य शामिल हुए। भाग लेने वाले संस्थानों में आईएचएम पूसा, इंडियन कलिनरी इंस्टीट्यूट (आईसीआई) नोएडा, एनसीएचएमसीटी, आईआईटीटीएम नोएडा और एआईएचएम शामिल थे। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के सचिव भुवनेश कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हर साल 27 सितंबर को 'विश्व पर्यटन दिवस' मनाया जाता है। आज भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय विश्व पर्यटन दिवस मना रहा है। इस मौके पर 16 सितंबर से 30 सितंबर तक मनाए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा' के तहत, सफदरजंग मकबरे पर कई संस्थाओं, टूरिस्ट गाइड फेडरेशन और मंत्रालय के अधिकारियों व कर्मचारियों की ओर से सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्रालय की इस पहल का उद्देश्य सफाई के साथ-साथ पर्यटनों पर स्वच्छता का संदेश देते हुए लोगों को जागरुक करना है।

सचिव भुवनेश कुमार ने कहा कि सभी पर्यटन स्थल स्वच्छ होने चाहिए, ताकि विदेशी पर्यटकों को सुखद अनुभव हो और वे भारत के प्रति अच्छी छवि लेकर जाएं।

वहीं, विश्व पर्यटन दिवस पर पर्यटन मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, हर मंजिल के आगे कुछ नया होता है। संस्कृति, परंपरा, कोई कहानी या ऐसा अनुभव जो सामने आने का इंतजार कर रहा हो। इस 'विश्व पर्यटन दिवस' पर, नई चीजें खोजने की खुशी और उन कई अनुभवों का जश्न मनाएं, जो हर सफर को सार्थक बनाते हैं। खोजने के लिए हमेशा कुछ न कुछ नया होता है।

संभल में मंदिर-मस्जिद विवाद और भड़काऊ बयानबाजी मामले में पुलिस ने चार लोगों को भेजा नोटिस

(जीएनएस)।

संभल, उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में मंदिर-मस्जिद विवाद और कथित भड़काऊ बयानबाजी को लेकर प्रशासन ने चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनमें शाही जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सदर जफर अली, भाजपा के पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश सिंघल, सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क और एआईएमआईएम नेता शकील अहमद शामिल हैं। जिला प्रशासन ने सभी लोगों को तीन अक्टूबर को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश होने का नोटिस जारी किया है। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार के अनुसार, 23 सितंबर को संभल और नखासा थाने से पुलिस की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। रिपोर्ट को 25 सितंबर को उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस रिपोर्ट में सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों से की गई बयानबाजी के कारण दो समुदायों के बीच शांति व कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। जफर अली के संबंध में पुलिस ने पूर्व में की गई बयानबाजी और दर्ज मुकदमों का भी उल्लेख किया है।

प्रशासन की ओर से जारी नोटिस में चारों को तीन अक्टूबर को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने को कहा गया है। साथ ही, छह महीने तक शांति बनाए रखने के लिए 20 हजार रुपए की जमानत अथवा इतनी ही धनराशि का स्वयंबंध पत्र लिए जाने के संबंध में जवाब मांगा गया है।

बताया गया है कि मामला भाजपा नेता राजेश सिंघल के रहटौल गांव में रामलीला मंच से दिए गए बयान के बाद गरमाया। सिंघल ने बयान में कहा था कि संभल में अब मस्जिद नहीं, मंदिर बनेंगे और हरिहर मंदिर जाने वालों पर गोली नहीं, पुष्प वर्षा होगी। इस बयान पर ममलूकुर्रहमान बर्क और एआईएमआईएम नेता शकील अहमद ने आपत्ति जताते हुए जवाबी बयान दिए थे।

बयानबाजी के बाद मामला पुलिस-प्रशासन तक पहुंचा। पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन ने चारों को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने के लिए तलब किया है। अब तीन अक्टूबर को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में होने वाली सुनवाई में चारों अपना पक्ष रखेंगे। प्रशासन की कार्रवाई के बाद संभल में सार्वजनिक बयानबाजी और कानून-व्यवस्था को लेकर राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं।

तमिलनाडु : करूर भगदड़ की पहली बरसी, विजय की रैली में 41 लोगों की मौत का दर्द आज भी जिंदा

(जीएनएस)।

करूर, तमिलनाडु के करूर में टीवीके प्रमुख विजय की रैली में 41 लोगों की मौत के एक साल बाद, पीड़ित परिवारों और भगदड़ में बचे लोगों के लिए यह बरसी शहर के लिए अब भी दुखद याद बनी हुई है। 27 सितंबर 2025 को विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' (टीवीके) के समर्थक सुबह से ही वेलुसामीपुरम में जमा होने लगे थे। कई लोग एक्टर से नेता बने विजय को सामने से देखने की उम्मीद कर रहे थे। परिवारों के साथ बच्चे भी आए थे और जब भीड़ उनके आने का इंतजार कर रही थी, तो पार्टी के गाने बज रहे थे। विजय उस शाम उस इलाके में पहुंचे। जैसे ही लोग उनकी कैंपेन गाड़ी की तरफ बढ़े, वहां भीड़ की वजह से खतरनाक हालात बन गए। कुछ लोग गिर गए और दूसरों के नीचे दब गए। आम लोगों और पुलिस ने भीड़ से लोगों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। एक राजनीतिक सभा के तौर पर शुरू हुआ यह कार्यक्रम 41 लोगों की मौत और 100 से ज्यादा लोगों के घायल होने के साथ खत्म हुआ। मरने वालों में बच्चे भी शामिल थे।

पीड़ित परिवारों के लिए यह बरसी उस रैली वाली जगह पर किए गए इंतजार, भगदड़ के बाद की अफरातफरी और अस्पतालों से मिली दुखद खबर की यादें ताजा कर देती है।

तब से 41 मौतों का आंकड़ा करूर के लिए उस रात की याद का एक अहम हिस्सा बन गया है। इस त्रासदी ने कार्यक्रम की जगह चुनने, भीड़ के आकार और उसकी आवाजाही, और लोगों की सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों पर भी सवाल खड़े कर दिए।

जिम्मेदारी को लेकर राजनीतिक पार्टियों के बीच तीखे मतभेद रहे। सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) को इस घटना की जांच करने का निर्देश दिया और जांच की निगरानी के लिए एक कमेटी बनाई।

तत्कालीन राज्य सरकार और टीवीके ने पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक मदद का ऐलान किया। हालांकि, इस नुकसान ने उन लोगों की जिंदगी पर गहरा असर डाला है जो वेलुसामीपुरम में मौजूद थे और उन रिश्तेदारों पर भी जो वहां नहीं थे लेकिन जिन्हें उस रात यह खबर मिली थी।

विजय अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हैं और उन्होंने 10 जुलाई 2026 को करूर का दौरा किया। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की, उनके कुछ रिश्तेदारों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे और घोषणा की कि मरने वालों की याद में शहर में एक स्मारक बनाया जाएगा।

जब करूर में उस हादसे की पहली बरसी मनाई जा रही है तो वादा किया गया स्मारक मरने वालों की याद दिलाता है, जिनके बारे में उनके परिवारों को उम्मीद थी कि वे सभा से सुरक्षित घर लौटेंगे।

बेकाबू थार ने ई-रिक्शा के उड़ाए परखच्चे, अस्पताल में दम तोड़ते ही चालक छोड़ भागे रईसजादे; 3 बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

(जीएनएस)।

मुरादाबाद, मुरादाबाद-आगरा स्टेट हाईवे पर रुस्तम नगर के पास एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सड़क हादसा सामने आया है, जहां सड़क किनारे शांति से खड़े एक ई-रिक्शा को पीछे से आ रही तेज रफ्तार थार ने भीषण टक्कर मार दी। इस खौफनाक भिड़ंत में ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और चालक लहूलुहान होकर सड़क पर दूर जा गिरा। पूरी दुर्घटना पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका खौफनाक वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

टक्कर के बाद चालक को अस्पताल पहुंचाकर फरार हुए सवार

हादसे के बाद थार सवार लोग तुरंत मौके से भागने के बजाय गंभीर रूप से घायल ई-रिक्शा चालक को अपनी गाड़ी में डालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिलारी लेकर पहुंचे। हालांकि, जैसे ही डॉक्टरों ने घायल की नब्ज टटोली और जांच शुरू की, थार सवार मौका पाकर वहां से खिसक लिए। डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद घायल चालक की जान नहीं बचाई जा सकी और उसे मृत घोषित कर दिया गया।

तीन मासूम बच्चों के सिर से उठा साया, परिजनों में कोहराम

अस्पताल से मौत की सूचना मिलते ही मृतक चालक के घर में मातम पसर गया और परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। मृतक अपने पीछे तीन छोटे मासूम बच्चों और रोते-बिलखते परिवार को बेसहारा छोड़ गया है, जिनके सामने अब आजीविका का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

सीसीटीवी फुटेज से थार की तलाश में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही बिलारी थाना पुलिस एक्शन मोड में आ गई है और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज को खंगालकर थार गाड़ी के नंबर और उसमें सवार लोगों की पहचान करने में जुटी है, ताकि यह साफ हो सके कि हादसे के वक्त गाड़ी कौन चला रहा था और चालक की मौत के बाद वे अस्पताल से चुपचाप क्यों फरार हुए।

मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने से घाट, मंदिर और दुकानें जलमग्न; स्कूल-कॉलेज बंद, जारी किया गया अलर्ट

(जीएनएस)।

चित्रकूट , उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने से घाट, मंदिर और दुकानें जलमग्न हो गए हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन की ओर से बचाव दल तैनात किए गए हैं और स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी किया गया। स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों ने आईएएनएस से बातचीत की। आईएएनएस से बातचीत करते हुए एक स्थानीय शख्स ने कहा, मध्य प्रदेश में बीते तीन-चार दिन से बारिश हो रही है, जिसकी वजह से पानी इकट्ठा हुआ और कल से लगातार पानी बढ़ रहा है। कल शाम तक रामघाट की आधी दुकानें डूब गई थीं। अभी कुछ कहा नहीं जा सकता, क्योंकि मंदाकिनी नदी का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। जिससे खतरा बढ़ गया है। स्थानीय शख्स जानकी केसरवानी ने कहा, मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने से हम लोगों की परेशानी पढ़ गई है। हम लोगों ने दुकान खाली कर दी है और पूरी रात जागते रहे हैं। मंदाकिनी का पानी हमारी दुकान तक आ गया था। जब तक बारिश होगी बाढ़ के खतरे की आशंका बनी रहेगी। प्रशासन की ओर से हमको कुछ मदद नहीं मिलती, बल्कि दुकानें गिराने के लिए बोला जा रहा है। हम लोग कहां जाएंगे?

स्थानीय निवासी दिनेश कुशवाहा ने कहा, चित्रकूट में दो-तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है, जिसकी वजह से मां मंदाकिनी का जलस्तर रात में बढ़ गया था। जलस्तर अब धीरे-धीरे कम हो रहा है। ऐसे में अगर हर बार पानी आता रहेगा तो चित्रकूट में तो पानी ही पानी रह जाएगा। जलस्तर बढ़ने से प्रशासन सक्रिय हुआ है, जिलाधिकारी के नेतृत्व में पूरी टीम लगी हुई है।

लोग स्नान कर रहे हैं और हर घाट पर प्रशासन अलर्ट है। लोगों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हो रही है।

दिनेश कुशवाहा ने आगे कहा, जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की ओर से बताया जा रहा है कि घाट से दूर रहें। उन्होंने कहा कि लोगों को पानी से दूर रहना चाहिए। पानी का बहाव कब तेज हो जाए, यह किसी को नहीं पता।

समाजवादी सरकार में खिलाड़ियों को यशभारती के साथ 21 लाख और एक लाख मासिक पेंशन देंगे : अखिलेश

(जीएनएस)।

लखनऊ, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में खेल और खिलाड़ियों की उपेक्षा हो रही है। खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए जरूरी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं और विदेशों में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कई खिलाड़ियों को अपने स्तर पर या उधार लेकर यात्रा खर्च वहन करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर खेल और खिलाड़ियों से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाएगा तथा उन्हें विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ।अखिलेश यादव ने रविवार को पार्टी मुख्यालय, लखनऊ में खिलाड़ियों के साथ आयोजित बैठक में घोषणा की कि समाजवादी सरकार में खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगदान के लिए यशभारती सम्मान फिर से दिया जाएगा। सम्मान के साथ 21 लाख रुपये की राशि और एक लाख रुपये प्रतिमाह पेंशन देने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिए चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा और खेल के लिए अलग से विशेष बजट की व्यवस्था होगी। इससे विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी ।सपा अध्यक्ष ने कहा कि पिछली समाजवादी सरकार में खिलाड़ियों को यशभारती सम्मान के साथ 11 लाख रुपये और 50 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दी गई थी, लेकिन भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद यह सम्मान बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण काम किए थे।

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार के दौरान लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय स्तर का इकाना स्टेडियम बनाया गया, जहां आज बड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। जिलों में स्टेडियम बनाए गए ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिले।

विजिलेंस के जाल में फंसी महिला एसएचओ, 50 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

मोगा, फिरोजपुर विजिलेंस टीम ने कोट ईसे खां थाने की एसएचओ सुनीता रानी को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। मोगा। फिरोजपुर विजिलेंस ने कोट ईसे खां थाने की विजिलेंस के पास यह शिकायत नूरपुर हकीमा निवासी राजविंदर सिंह की ओर से पहुंची थी। शिकायतकर्ता ने अनुसार एसएचओ शिकायतकर्ता के अनुसार, एसएचओ सुनीता रानी किसी मामले में मदद करने के एवज में उससे रिश्वत की मांग कर रही थीं। शिकायत की जांच के बाद फिरोजपुर विजिलेंस की टीम ने ट्रैप लगाने की कार्रवाई की उन्हें पकडऩे के लिए जाल बिछाया। इसके लिए इंस्पेक्टर गगनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने तय कार्रवाई के तहत शनिवार देर शाम एसएचओ को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए काबू कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें विजिलेंस कार्यालय ले जाया गया, जहां देर रात तक पूछताछ की गई। विजिलेंस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।